www.prabhupuja.com

आरती गिरजा नंदन की

मुकुट मस्तक पर है न्यारा, हाथ में अंकुश है प्यारा
गले में मोतियन की माला, उमासुत देवो में आला
प्रथम सब तुमको नमन करे, सदा सुर नर मुनि ध्यान धरे
करे गुणगान, मिटे अज्ञान, होय कल्याण
मिले भक्ति भव् भंजन की..... गजानन असुर निकंदन की
आरती गिरिजा नंदन की, गजानन असुर निकंदन की।
बालहट प्रभु ने जब कीन्हा, माता की आज्ञा सर लीन्हा
पूर्ण प्रण तुम अपना कीन्हा, अंत में मस्तक दे दीन्हा
हुई भइ क्रोधित सुनत जगमाता, कहा क्या कीन्हा शिवदाता
कहा हे माथ पुत्र का नाथ, देव मम हाथ
वरन होइ निंदा देवन की..... गजानन असुर निकंदन की
आरती गिरजा नंदन की गजानन असुर निकंदन की।
चकित भये सुनकर कैलाशी करू जीवित में अविनाशी
गणो से बोले यो वाणी, शीघ्र लाओ तुम कोई प्राणी
जिसे भी पैदा तुम पाओ, मनुष्य हो या पशु ले आओ
तुरंत वन जाये , शीश गज पाए , तुरंत जुड़वाये
ख़ुशी भई माँ को सूतधन की..... गजानन असुर निकंदन की
आरती गिरिजा नंदन की गजानन असुर निकंदन की।
हुए गणराजा बलधारी, बुद्धि पे विद्या अवतारी
सकल कारज में हो वृद्धि, डुलावे चवर रिद्धि सिद्धि
आप है मंगल के स्वामी, जानते सब अंतर्यामी
दयालु आप, हरो संताप, क्षमा हो पाप,
सुधि सब लीजै भक्तन की..... गजानन असुर निकंदन की
आरती गिरिजा नंदन की गजानन असुर निकंदन की।
आशा पुरण कीजे मेरी , लगायी तुमने क्यों देरी
दरस देना जी आप गणेश , मिटाना दुःख दरिद्र कलेश
जगत में रखना मेरी लाज , विनय भगतो की है गणराज
मैं हूँ नादान , मिले सतज्ञान, देओ वरदान
करू नित सेवा चरणन की..... गजानन असुर निकंदन की
आरती गिरिजा नंदन की , गजानन असुर निकंदन की।
आरती गिरिजा नंदन की , गजानन असुर निकंदन की

PrabhuPuja

www.prabhupuja.com